दिल्ली की मासिक मौसम रिपोर्ट

सितंबर 2026

मौसम संबंधी महत्वपूर्ण अवलोकन

- सितंबर 2026 में सफदरजंग ऑब्ज़र्वेटरी में कुल 79.6 mm बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य 123.5 mm से 36% कम है।
- महीने का औसत अधिकतम तापमान 34.1°C था, जो महीने के सामान्य औसत तापमान (34.1°C) के बराबर है। महीने का औसत न्यूनतम तापमान 25.4°C था, जो महीने के सामान्य औसत तापमान (25.0°C) से 0.4°C ज़्यादा है।
- दक्षिण-पश्चिम मॉनसून दिल्ली से 23 सितंबर 2026 को वापस चला गया, जबकि इसकी सामान्य वापसी की तारीख 25 सितंबर (1971-2019) है। 2025 में, यह दिल्ली से 24 सितंबर 2025 को वापस गया था।
- इस साल, मॉनसून ने दिल्ली में 2 जुलाई 2026 को दस्तक दी, जबकि इसकी सामान्य शुरुआत की तारीख 27 जून (1961-2019) है।
- 27 सितंबर 2026 को सफदरजंग ऑब्ज़र्वेटरी में 21.0°C का न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया; यह 2001 के बाद से सितंबर के महीने में दर्ज किया गया दूसरा सबसे कम न्यूनतम तापमान था। सबसे कम तापमान 20.8°C था, जो 6 सितंबर 2008 को दर्ज किया गया था और तीसरा सबसे कम तापमान 21.1°C था, जो 19 सितंबर 2024 को दर्ज किया गया था।
- 4 सितंबर 2026 को पालम एयरपोर्ट, दिल्ली में 1007 से 1009 UTC के बीच तेज़ हवाओं का झोंका (स्क्वाल) देखा गया। तेज़ हवा की अधिकतम गति 76 kmph दर्ज की गई। इस दौरान, सापेक्ष आर्द्रता (relative humidity) 86% से बढ़कर 90% हो गई, जबकि तापमान 26.0°C से घटकर 25.5°C हो गया। 7 mm बारिश दर्ज की गई और विज़िबिलिटी 600 मीटर थी।
- इस महीने में 1 दिन भारी बारिश (64.5 - 115.5 mm के बीच बारिश) और 5 दिन मध्यम बारिश दर्ज की गई।

बारिश का वर्गीकरण	तारीख*	स्टेशन (बारिश की मात्रा mm में)
बहुत भारी बारिश	**5 सितंबर**	•पालम (84.0 mm) अन्य ऑब्ज़र्वेटरी में दर्ज बारिश: KV नारायण (58.5 mm), KVK जनकपुरी (55.0 mm), लोधी रोड (38.6 mm), सफदरजंग (37.3 mm), प्रगति मैदान (33.7 mm), पूसा AWS (31.5 mm), KVK CRPF कैंपस (31.0 mm), डेविड मॉडल स्कूल (29.4 mm), दिल्ली रिज (26.0 mm), राष्ट्रपति भवन (25.8 mm), मदर इंटरनेशनल स्कूल (24.2 mm), दिल्ली यूनिवर्सिटी OBS (22.4 mm), ग्रीन फील्ड PS (21.4 mm), IGNOU यूनिवर्सिटी (16.5 mm)
माध्यम बारिश	**2 सितंबर**	पालम (64.2 mm), ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल (34.2 mm), KV नारायण (30.5 mm), IGNOU यूनिवर्सिटी (16.5 mm)
	3 सितंबर	IGNOU यूनिवर्सिटी (35.5 mm)
	6 सितंबर	IGNOU यूनिवर्सिटी (50.0 mm), पालम (35.6 mm), लोधी रोड (30.8 mm), सफदरजंग (29.8 mm), दिल्ली यूनिवर्सिटी OBS (27.2 mm), KV नारायण (24.5 mm), दिल्ली रिज (24.2 mm), आयानगर (19.0 mm), राष्ट्रपति भवन (18.8 mm), मदर इंटरनेशनल स्कूल (16.6 mm), पूसा AWS (16.0 mm), प्रगति मैदान (15.6 mm)
	7 सितंबर	डेविड मॉडल स्कूल, खजूरी (18.4 मिमी), केवी नारायण (16.5 मिमी)
	12 सितंबर	पूसा AWS (17.5 mm)

मौसम संबंधी विश्लेषण

- 1-5 सितंबर के दौरान, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उससे सटे इलाकों में बना 'वेल-मार्क्ड लो-प्रेशर एरिया' (साफ़ तौर पर बना कम दबाव का क्षेत्र) पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़कर उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और उससे सटे इलाकों में पहुँचा। इसके बाद यह मध्य/उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और उससे सटे दक्षिणी उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ा और 5 सितंबर को कमजोर होकर एक सामान्य 'लो-प्रेशर एरिया' (कम दबाव का क्षेत्र) में बदल गया। इससे जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) 7.6 किमी की ऊंचाई तक फैला हुआ था और ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ था। मॉनसून ट्रफ (कम दबाव की पट्टी) उत्तरी भारत और इस सिस्टम से होकर गुजरती रही और त्रिपुरा की ओर पूर्व/पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा में फैली रही। कई ट्रफ इस सिस्टम के ऊपर से उत्तर-पूर्वी राजस्थान से मणिपुर तक और मध्य भारत के ऊपर से दक्षिणी गुजरात से झारखंड/उत्तरी बांग्लादेश तक फैली हुई थीं; इनमें से पहली वाली ट्रफ बाद में मॉनसून ट्रफ के साथ मिल गई। पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) मध्य और ऊपरी क्षोभमंडल (ट्रोपोस्फीयर) की पश्चिमी हवाओं में ट्रफ के रूप में बने रहे, जबकि एक पहले का सिस्टम 4 सितंबर को पूर्व-उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ गया।
- 6-9 सितंबर के दौरान, कम दबाव का क्षेत्र दक्षिण-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बाद में मध्य उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ा। इससे जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण 6 सितंबर को 5.8 किमी और 7 सितंबर को 4.5 किमी की ऊंचाई तक फैला हुआ था। 8 सितंबर को यह सिस्टम कमज़ोर पड़ गया (कम स्पष्ट हो गया), जबकि इससे जुड़ा परिसंचरण पूर्वी उत्तर प्रदेश और उससे सटे बिहार की ओर बढ़ गया और 3.1 किमी की ऊंचाई तक फैला रहा। मॉनसून ट्रफ उत्तरी भारत और इस सिस्टम से होकर गुजरती रही और त्रिपुरा/उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी की ओर पूर्व/पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा में फैली रही। दक्षिणी गुजरात से मध्य प्रदेश होते हुए इस सिस्टम तक जाने वाली ट्रफ बनी रही, लेकिन 9 सितंबर को कमज़ोर पड़ गई। उत्तरी हरियाणा और आसपास के इलाकों में 1.5 किमी की ऊंचाई पर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना रहा। पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उससे सटे इलाकों में चक्रवाती परिसंचरण/ट्रफ के रूप में बने रहे।
- 10-13 सितंबर के दौरान, उत्तरी हरियाणा के ऊपर बना ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण (cyclonic circulation) 10 सितंबर को उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ गया, जबकि एक ट्रफ़ (trough) उत्तरी हरियाणा से उत्तर प्रदेश और झारखंड होते हुए उत्तरी बंगाल की खाड़ी के कम दबाव वाले क्षेत्र तक फैली हुई थी। 11 सितंबर को, कम दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम-पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिण ओडिशा-उत्तर आंध्र प्रदेश के तटों पर बना हुआ था, और एक ट्रफ़ उत्तर-पूर्व राजस्थान से मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ होते हुए इस सिस्टम तक फैली हुई थी। 12-13 सितंबर के दौरान, यह सिस्टम दक्षिण छत्तीसगढ़ से दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश और उससे सटे उत्तरी विदर्भ की ओर बढ़ गया, जबकि मॉनसून ट्रफ़ मध्य राजस्थान और मध्य प्रदेश से होते हुए इस सिस्टम तक बनी रही और दक्षिण-पूर्व की ओर पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी तक फैली रही। पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbances) उत्तरी पाकिस्तान, जम्मू और उससे सटे इलाकों में चक्रवाती परिसंचरण/ट्रफ़ के रूप में बने रहे।
- 14-16 सितंबर के दौरान, कम दबाव का क्षेत्र दक्षिण-पूर्व राजस्थान और उससे सटे गुजरात क्षेत्र/दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश से हटकर दक्षिण-पूर्व राजस्थान और उससे सटे उत्तरी गुजरात की ओर बढ़ गया, और बाद में दक्षिण-पश्चिम राजस्थान, उससे सटे कच्छ और दक्षिण-पूर्व पाकिस्तान के ऊपर बना रहा; इससे जुड़ा परिसंचरण 7.6 किमी की ऊंचाई तक फैला हुआ था और ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ था। मॉनसून ट्रफ़ इस सिस्टम से होकर गुज़री और दक्षिण-पूर्व की ओर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक फैली रही। पश्चिमी विक्षोभ मध्य क्षोभमंडल (troposphere) की पश्चिमी हवाओं में ट्रफ़ के रूप में बने रहे, और 15 सितंबर को 72°E देशांतर के पास एक नया विक्षोभ दिखाई दिया। 19 सितंबर के आसपास पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की वापसी के लिए स्थितियां अनुकूल हो गईं।
- 17-18 सितंबर के दौरान, पश्चिमी राजस्थान से दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की वापसी के लिए हालात अनुकूल बने रहे। मॉनसून ट्रफ़ सौराष्ट्र और उससे सटे उत्तर-पूर्वी अरब सागर के ऊपर बने सिस्टम से गुज़री और दक्षिण-पूर्व की ओर उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी तक फैली, जबकि ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) उत्तरी हरियाणा से पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बाद में दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान से उत्तरी गुजरात की ओर खिसक गया। पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) हिमाचल प्रदेश/जम्मू और आसपास के इलाकों में चक्रवाती परिसंचरण के रूप में बने रहे, और उनसे जुड़ी ट्रफ़ भी ऊपरी हवाओं में मौजूद रहीं।
- 19 सितंबर को, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों से वापस लौट गया; इसकी वापसी की रेखा 27.0°N/68.0°E, रामगढ़, मोहनगढ़, फलोदी, खाजूवाला और 29.5°N/71.5°E से होकर गुज़री। आगे की वापसी के लिए हालात अनुकूल बने रहे। पश्चिमी मध्य प्रदेश और उससे सटे पूर्वी राजस्थान के ऊपर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ था, और एक ट्रफ़ उत्तर-पूर्वी उत्तर प्रदेश से गुजरात और इस परिसंचरण के ऊपर से होते हुए उत्तर-पूर्वी अरब सागर तक फैली हुई थी। 20 सितंबर को, वापसी की रेखा में कोई बदलाव नहीं हुआ, जबकि परिसंचरण दक्षिण-पश्चिमी मध्य प्रदेश और आसपास के इलाकों में खिसक गया और ट्रफ़ दक्षिणी हिमाचल प्रदेश से हरियाणा, राजस्थान और गुजरात होते हुए पूर्वी-मध्य और उससे सटे उत्तर-पूर्वी अरब सागर तक फैल गई।

- 21-23 सितंबर के दौरान, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून राजस्थान, हरियाणा और पंजाब से और पीछे हट गया। 21-22 सितंबर को इसकी वापसी की रेखा जैसलमेर, नागौर, सीकर, रोहतक, पटियाला और गुरदासपुर से होकर गुजरी। 23 सितंबर को यह पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के ज़्यादातर हिस्सों, पूरे दिल्ली और उत्तर प्रदेश व गुजरात के कुछ हिस्सों से और पीछे हट गया। इसकी वापसी की रेखा गुरदासपुर, चंडीगढ़, मुज़फ़्फ़रनगर, अलीगढ़, धौलपुर, उदयपुर, डीसा और नलिया से होकर गुजरी। दक्षिण-पश्चिम/उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश के ऊपर ऊपरी हवा में चक्रवाती परिसंचरण (cyclonic circulation) बना रहा, जबकि जम्मू और आस-पास के इलाकों में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) चक्रवाती परिसंचरण/ट्रफ के रूप में बना रहा।
- 24-25 सितंबर के दौरान, वापसी की रेखा 32.5°N/72.5°E से गुरदासपुर, चंडीगढ़, मुज़फ़्फ़रनगर, अलीगढ़, धौलपुर, उदयपुर, डीसा और नलिया होते हुए 23.0°N/67.8°E तक स्थिर रही। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस मध्य क्षोभमंडल (troposphere) की पश्चिमी हवाओं में एक ट्रफ के रूप में बना रहा और इसकी धुरी (axis) लगभग 81°E से 72°E की ओर खिसक गई, जबकि उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश और आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना रहा।
- 26-27 सितंबर के दौरान, उत्तरी छत्तीसगढ़ और उससे सटे उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर बना डिप्रेशन उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और 26 सितंबर को उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और उससे सटे उत्तरी छत्तीसगढ़ के ऊपर स्थित था। इसके दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ने और धीरे-धीरे एक 'वेल-मार्क्ड लो-प्रेशर एरिया' (स्पष्ट कम दबाव वाले क्षेत्र) में कमजोर होने की उम्मीद थी। 27 सितंबर को, यह 'वेल-मार्क्ड लो-प्रेशर एरिया' मध्य उत्तर प्रदेश के उत्तरी हिस्सों पर स्थित था, जिसका सर्कुलेशन 5.8 किमी की ऊंचाई तक फैला हुआ था और इसके 'लो-प्रेशर एरिया' (कम दबाव वाले क्षेत्र) में कमजोर होने की उम्मीद थी। मानसून की वापसी की रेखा में कोई बदलाव नहीं हुआ, जबकि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) मध्य और ऊपरी ट्रोपोस्फेरिक वेस्टरलीज़ में एक 'ट्रफ' के रूप में बना रहा।
- 28-30 सितंबर के दौरान, मानसून की वापसी की रेखा स्थिर बनी रही। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक 'ट्रफ' के रूप में बना रहा और बाद में उत्तरी हरियाणा और आसपास के इलाकों में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवाती परिसंचरण) में बदल गया, जिसके ऊपर एक 'ट्रफ' भी था। पूर्वी/दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश और उससे सटे बिहार के ऊपर ऊपरी हवाओं में साइक्लोनिक सर्कुलेशन बने रहे, जबकि उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऊपर बना सर्कुलेशन कमजोर पड़ गया। 30 सितंबर को, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के बचे हुए हिस्सों, गुजरात और मध्य प्रदेश के अधिकांश हिस्सों, पूरे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड, और बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों से अगले 2-3 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून की और वापसी के लिए स्थितियां अनुकूल हो गईं।

महीने में हुई बारिश का ब्यौरा

इस महीने सफदरजंग में 79.6 mm बारिश दर्ज की गई, जबकि सामान्य बारिश 123.5 mm (1971–2020 के मौसम के आंकड़ों के आधार पर) होती है; यह लंबे समय के औसत (LPA) से 36% कम है।

महीने के दौरान दिल्ली की मैनुअल वेधशालाओं में वर्षा और उसमें विचलन

स्टेशन	वास्तविक वर्षा (मिमी में)	सामान्य वर्षा (मिमी में)	प्रस्थान (%)
सफदरजंग	79.6	123.5	-36%
पालम	201.2	109.5	84%
लोधी रोड	80.3	123.5	-35%
रिज	83.6	119.1	-30%
आयानगर	54.6	109.3	-50%

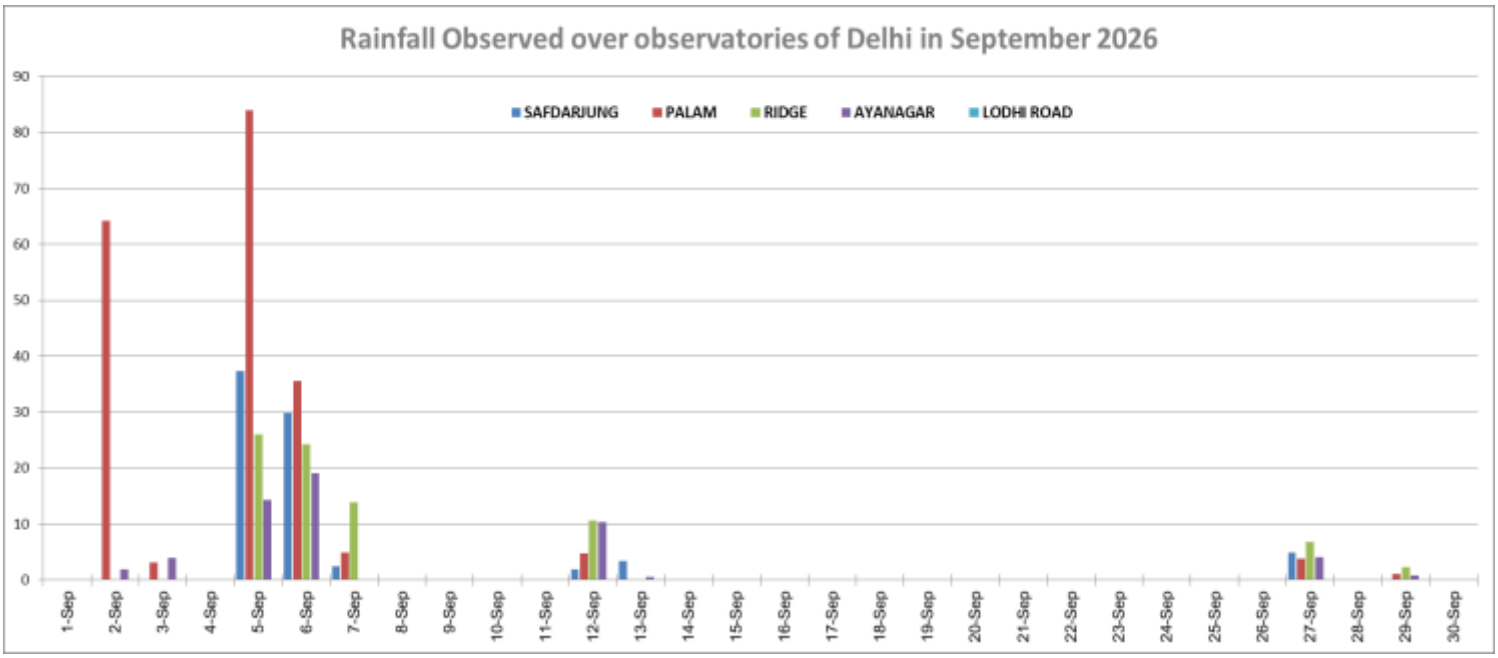

(बारिश की माप पिछले दिन के 08:30 IST से लेकर बताई गई तारीख के 08:30 IST तक की 24 घंटे की अवधि के लिए की जाती है)

चित्र 1. दिल्ली की वेधशालाओं में हुई वास्तविक वर्षा

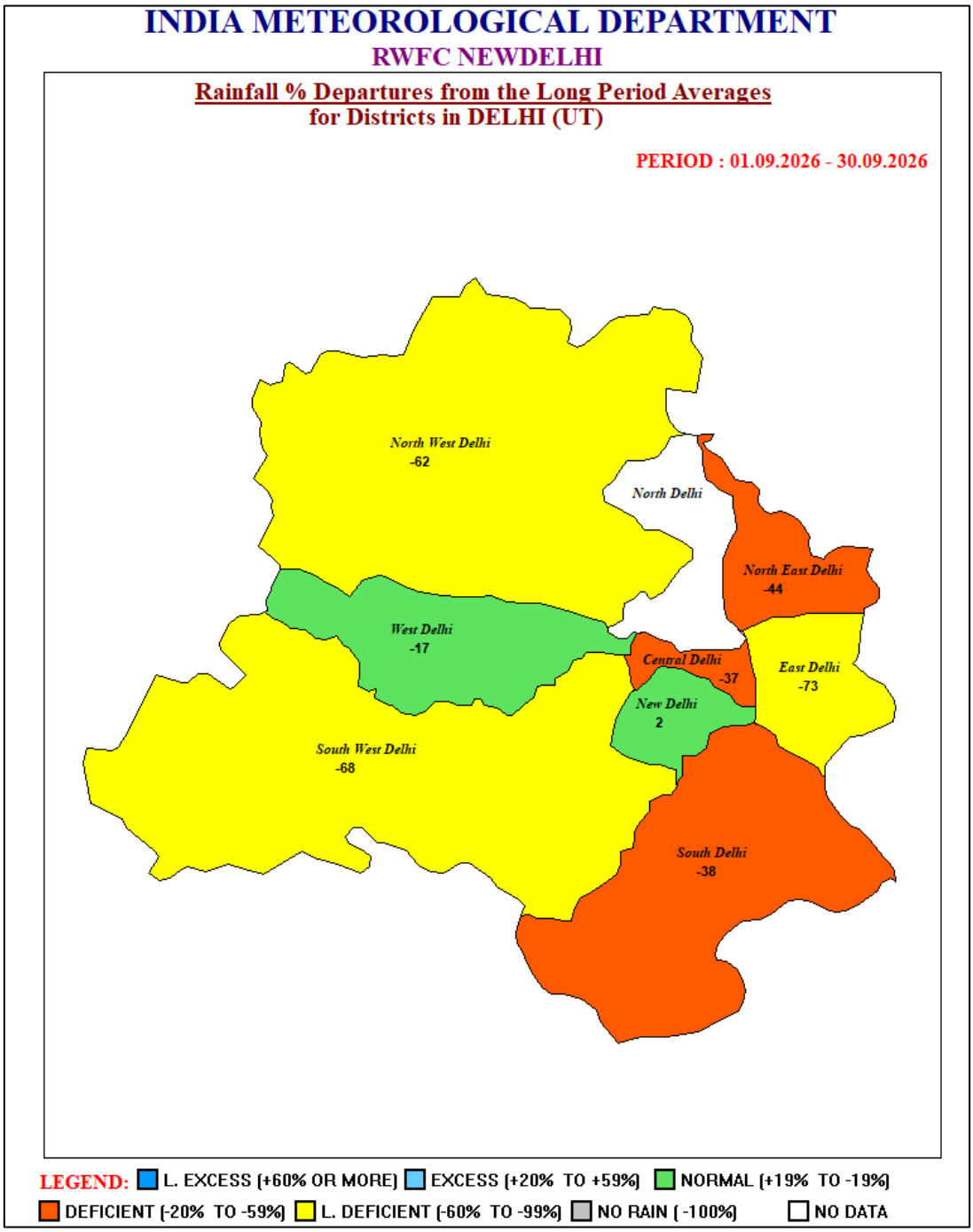

चित्र 2. दिल्ली के ज़िलों में लंबी अवधि के औसत से बारिश में प्रतिशत अंतर

महीने के तापमान का सारांश

अधिकतम तापमान

महीने के दौरान अधिकतम तापमान 1 दिन सामान्य से काफी ज़्यादा, 6 दिन सामान्य से ज़्यादा, 3 दिन सामान्य से काफी कम, 3 दिन सामान्य से कम, 1 दिन सामान्य से कम और बाकी दिनों में सामान्य रहा। सितंबर 2026 के लिए औसत अधिकतम तापमान 34.1°C था, जो इस महीने के क्लाइमेटोलॉजिकल औसत (यानी 34.1°C) के बराबर है। सफदरजंग में, सितंबर 2026 में सबसे ज़्यादा अधिकतम तापमान 36.8°C दर्ज किया गया, जो 16 सितंबर 2026 को रिकॉर्ड हुआ था। सितंबर के लिए अधिकतम तापमान का अब तक का रिकॉर्ड 40.6°C है, जो 16 सितंबर 1938 को दर्ज किया गया था।

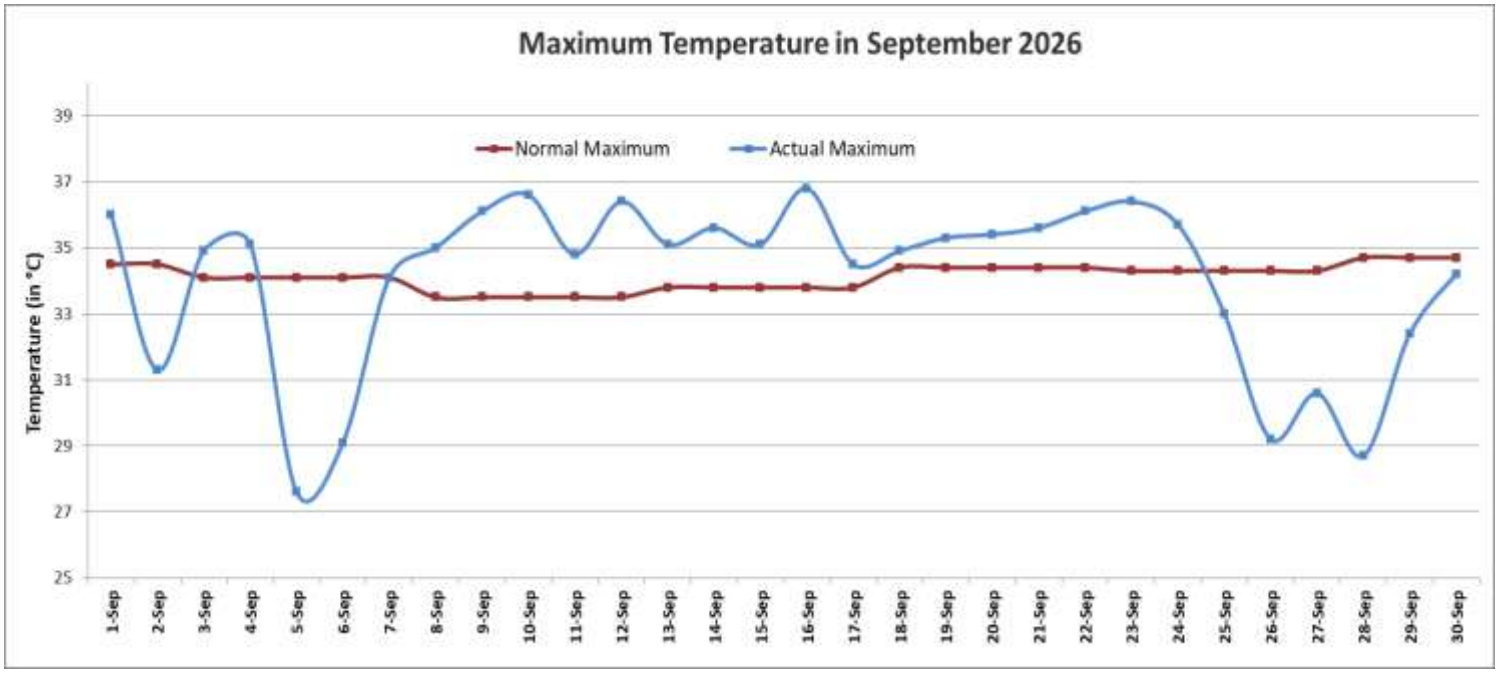

चित्र 3. सामान्य तापमान की तुलना में अधिकतम तापमान का मासिक रुझान (सफदरजंग)

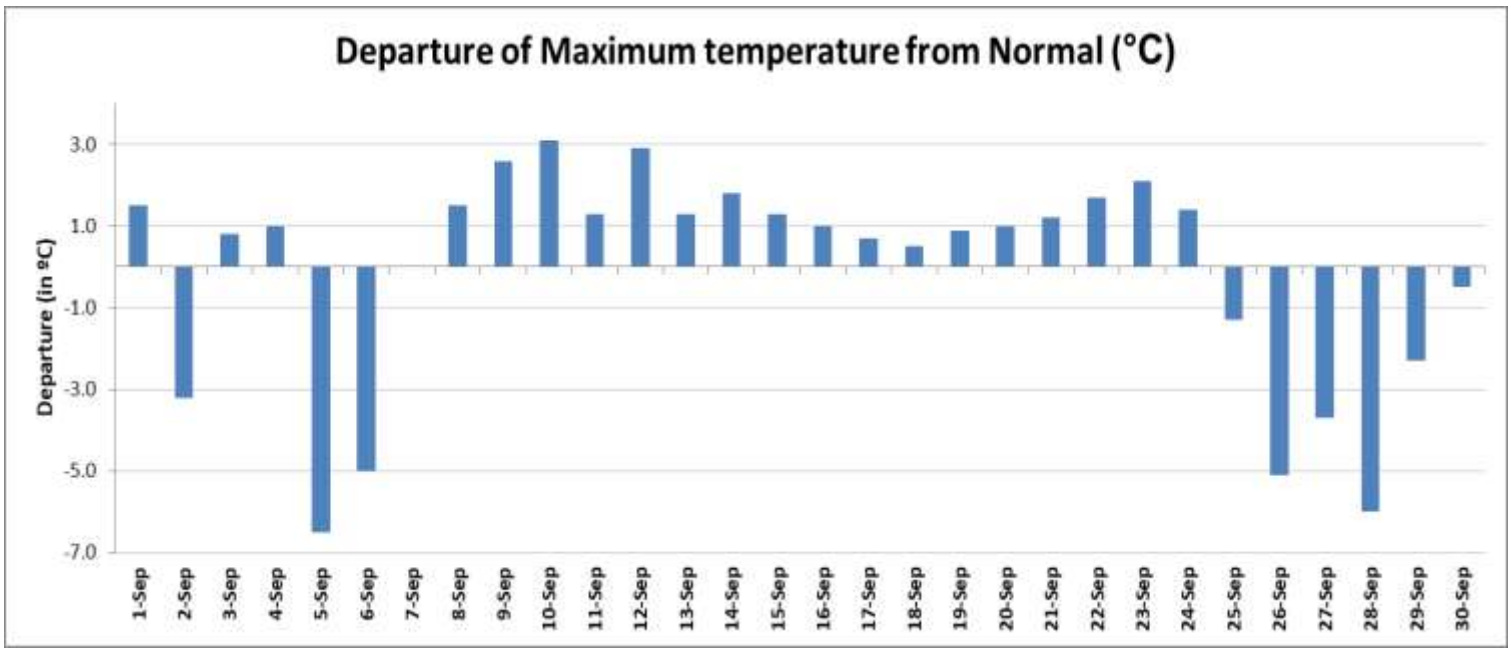

चित्र 4. अधिकतम तापमान का सामान्य तापमान से अंतर (सफदरजंग)

न्यूनतम तापमान

महीने के दौरान 3 दिन न्यूनतम तापमान सामान्य से कम, 7 दिन सामान्य से अधिक और बाकी दिनों में सामान्य रहा। सितंबर 2026 के लिए औसत न्यूनतम तापमान 25.4°C था, जो महीने के औसत तापमान (25.0°C) से 0.4°C अधिक है। सफदरजंग में, सितंबर 2026 में सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.0°C दर्ज किया गया, जो 27 और 29 सितंबर 2026 को रिकॉर्ड हुआ था। सितंबर के लिए न्यूनतम तापमान का अब तक का रिकॉर्ड 16.1°C है, जो 24 सितंबर 1930 को दर्ज किया गया था।

चित्र 5. सामान्य तापमान की तुलना में न्यूनतम तापमान का मासिक रुझान (सफदरजंग में)

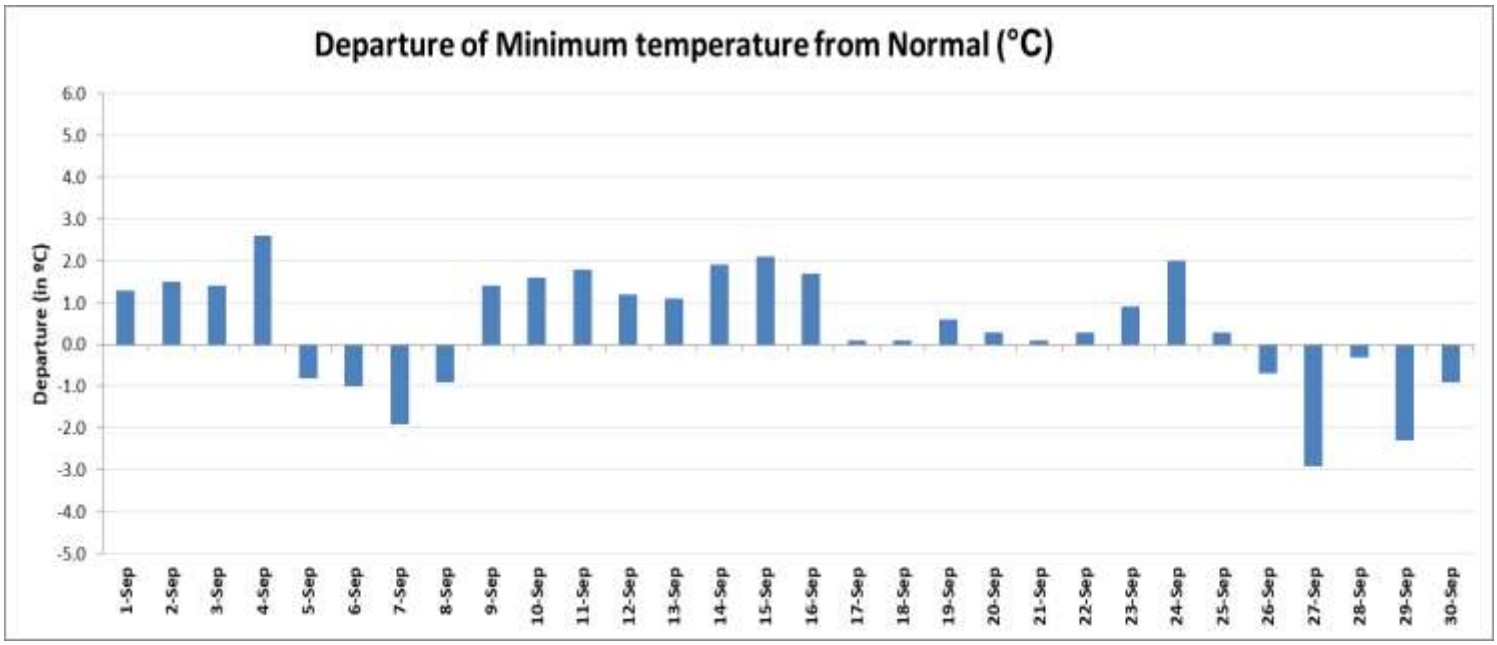

चित्र 6. न्यूनतम तापमान का सामान्य तापमान से अंतर (सफदरजंग में)

महीने के दौरान दिल्ली की मैनुअल ऑब्ज़र्वेटरीज़ में दर्ज किया गया वास्तविक तापमान

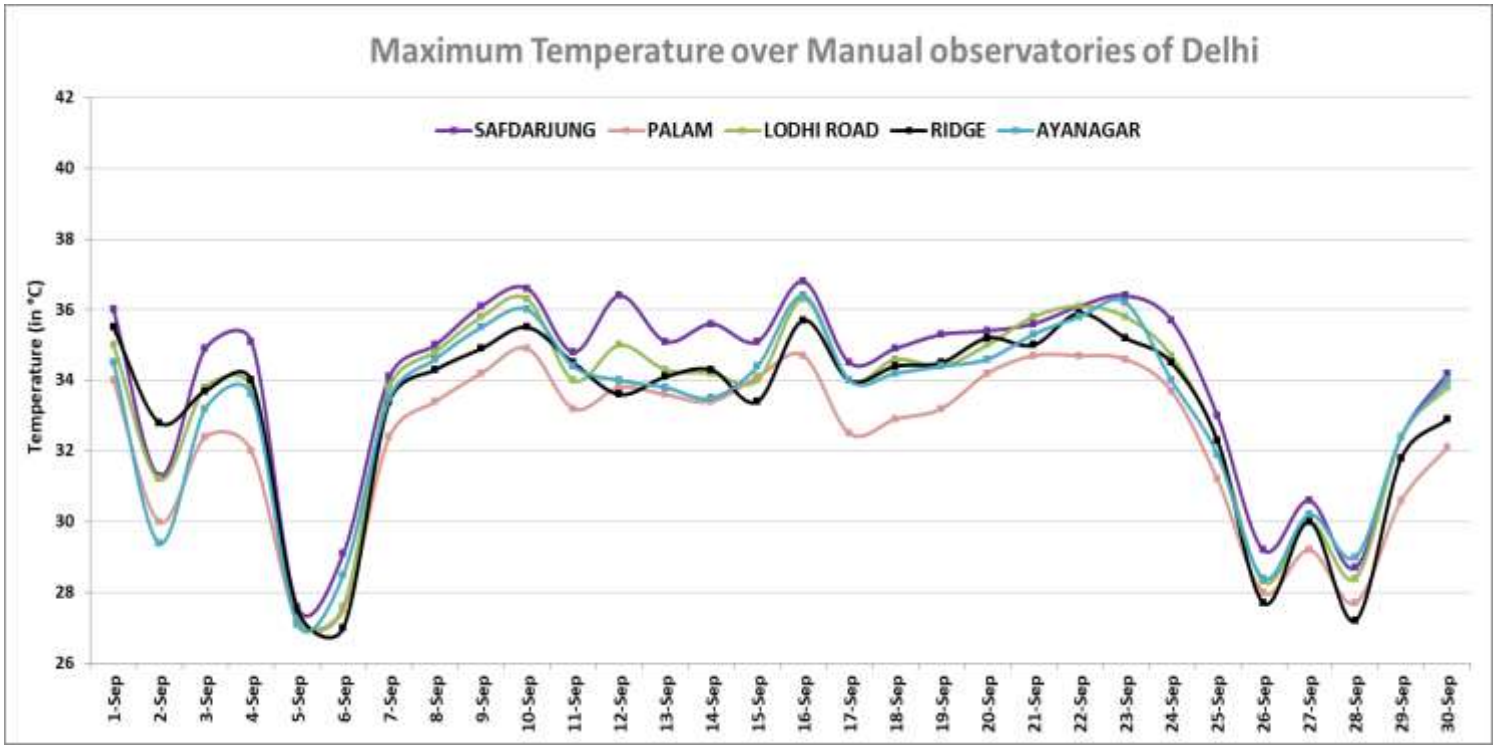

चित्र 7. दिल्ली की मैनुअल वेधशालाओं में अधिकतम तापमान का मासिक रुझान

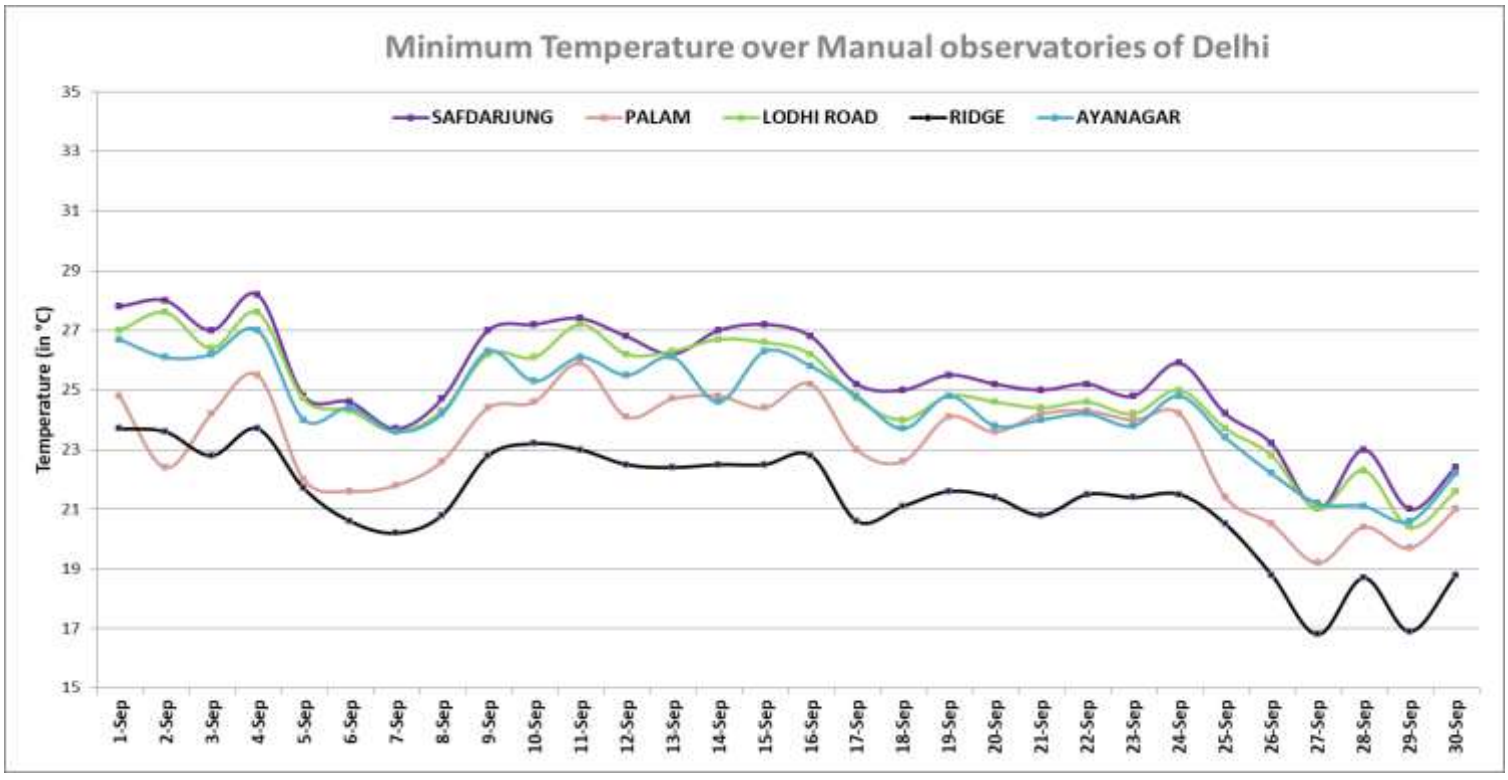

चित्र 8. दिल्ली की मैनुअल वेधशालाओं में न्यूनतम तापमान का मासिक रुझान

*****

Legends:

Departure = Observed temperature – Normal Temperature

Markedly above normal	Appreciably above normal	Above normal	Normal	Below normal	Appreciably below normal	Markedly below normal
5.1 and above	3.1 to 5.0	1.6 to 3.0	1.5 to -1.5	-1.6 to -3.0	-3.1 to -5.0	-5.1 and below

Terminology	Rainfall Range (mm)
Light Rainfall	up to 15.5
Moderate Rainfall	15.6 to 64.4
Heavy Rainfall	64.5 to 115.5
Very heavy Rainfall	115.6 to 204.4

Light Spell:	<5 mm/hr
Moderate Spell:	5- 15 mm/hr
Heavy Spell:	>15 mm/hr

FOLLOW US ON

https://x.com/RWFC_ND

https://www.facebook.com/p/Rwfc-New-Delhi-100011479543808/

http://www.youtube.com/@regionalforecasting9139

For location specific weather forecast kindly visit: https://city.imd.gov.in/citywx/localwx.php